JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"मुरादाबाद मण्डल के अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियो की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन"

लोहांस कल्यानी
शोधार्थी

डॉ॰ श्याम बहादुर सिंह
निर्देशक

सारांश

आधुनिकीकरण एक बहुआयामी प्रक्रिया है यह किसी विशेष क्षेत्र या विचार विशेष तक ही सीमित रहने वाली प्रक्रिया नहीं है। आधुनिकीकरण मानव जीवन के सभी क्षेत्रों, विचारों तथा क्रियाओं में होने वाले परिवर्तनों की एक प्रक्रिया है। जो मानव जीवन के सामाजिक मनोवैज्ञानिक, राजनैतिक, आर्थिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक तथा जनांकिकीय आदि क्षेत्रों को प्रभावित करती है। आधुनिकीकरण मनोवैज्ञानिक स्तर पर मानव मूल्यों, मनोवृत्तियों और आकांक्षाओं में परिवर्तन है। यह सामाजिक स्तर पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में पुरानी रूढ़ियों एवं मान्यताओं का परित्याग करके नये व्यवहार एवं मान्यताओं को अपनाने की प्रवृत्ति है, विवाह, धर्म, परिवार तथा व्यवसाय के क्षेत्र में वैभाक्तिक स्वतन्त्रता के महत्व को स्वीकृति है। नवीन विचार, सिद्धान्त व दिशा–निर्देश प्रायः युवा वर्ग के हाथ से ही प्रकाशित होते है। युवा वर्ग का उत्साह उनकी तन्नमयता, उनका आवेग व उनकी रगों में सहता जोश को नैसर्गित वरदान गुणों के साथ लक्ष्य की स्पष्टता का तालमेल देश के विकास में ऊर्जा भर देता है। आंकड़ों के विश्लेषण करने पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए –मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् पुरूष विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर पाया गया। मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् महिला विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर पाया गया। मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् कला वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर पाया गया। मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।

ज्ञमल ॅवतके दृ अनुदानिक एवं गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, आधुनिकीकरण, अभिवृत्ति

प्रस्तावना

आज का युग प्रगति का युग है। प्रगति का आधार भौतिक संसाधनों का विकास तथा मानवीय मूल्यों की अभिवृद्धि है। वर्तमान समाज का स्वरूप द्रुत गति से परिवर्तित हो रहा है नित्य नये अविष्कार तथा नई सम्भावनाऐं मानव समाज के ढाँचे व मान्यताओं को प्रभावित कर रही है। वैज्ञानिक अविष्कारों तथा प्रोद्योगिकरण से समाज में आधुनिकता को प्रोत्साहित किया है इससे सामाजिक क्षेत्र में क्रान्तिकारी परिवर्तन का उदय हुआ है। फलतः नित्य नई जिज्ञासाओं, नई मनोवृत्तियों, मूल्यों एवं कुशलताओं का समुचित व सकारात्मक विकास हो रहा है। इस आधुनिकीकरण की प्रक्रिया ने जहॉ समाज को प्रभावित किया वहॉ शिक्षा में भी इसके कारण क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए है। वास्तव में आधुनिकीकरण एक बहुआयामी प्रक्रिया है यह किसी विशेष क्षेत्र या विचार विशेष तक ही सीमित रहने वाली प्रक्रिया नहीं है। आधुनिकीकरण मानव जीवन के सभी क्षेत्रों, विचारों तथा क्रियाओं में होने वाले परिवर्तनों की एक प्रक्रिया है। जो मानव जीवन के

सामाजिक मनोवैज्ञानिक, राजनैतिक, आर्थिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक तथा जनांकिकीय आदि क्षेत्रों को प्रभावित करती है। आधुनिकीकरण मनोवैज्ञानिक स्तर पर मानव मूल्यों, मनोवृत्तियों और आकांक्षाओं में परिवर्तन है। यह सामाजिक स्तर पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में पुरानी रूढ़ियों एवं मान्यताओं का परित्याग करके नये व्यवहार एवं मान्यताओं को अपनाने की प्रवृत्ति है, विवाह, धर्म, परिवार तथा व्यवसाय के क्षेत्र में वैभाक्तिक स्वतन्त्रता के महत्व को स्वीकृति है। बैदिक स्तर पर तर्कशक्ति का बढ़ना घटनाओं की तार्किक व्याख्या आदि की स्वीकृति हैं।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

युवा शक्ति किसी भी देश का आधार स्तम्भ है। नवीन विचार, सिद्धान्त व दिशा–निर्देश प्रायः युवा वर्ग के हाथ से ही प्रकाशित होते है। युवा वर्ग का उत्साह उनकी तन्नमयता, उनका आवेग व उनकी रगों में सहता जोश को नैसर्गित वरदान गुणों के साथ लक्ष्य की स्पष्टता का तालमेल देश के विकास में ऊर्जा भर देता है। अतः इस वर्ग को सही मार्ग दर्शन प्राप्त होना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। परन्तु खेद है कि आजादी के 70 वर्ष बाद भी आज के युवा आधुनिकीकरण के सही अर्थ को समझने व आत्मसात करने में असमर्थ है। आज के विद्यार्थी आधुनिकीकरण के फैशन आदि से जोड़ते है। परन्तु ऐसा नहीं है। मंहगे कपड़े, घर में आधुनिक सुख सुविधाएँ मंहगा मोबाइल को वे आधुनिक जीवन समझते है और अधिकाशं विद्यार्थी पश्चिमीकरण के अनुकरण को आधुनिकीकरण की संज्ञा देते है क्या वास्तव में ऐसा है विद्यार्थियों में उक्त भ्रान्त धारणाओं को दूर करके उनके मन में आधुनिकीकरण के वास्तविक अर्थ और भाव को जागृत करना जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो और वह समाज के योगदान में अपनी प्रस्तुत लघु शोध की आवश्यक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके। प्रस्तुत शोध के माध्यम से मुरादाबाद मण्डल के अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति को जानने का प्रयास किया जायेगा। शोध से प्राप्त निष्कर्ष उपरोक्त विद्यार्थियों के मन में आधुनिकीकरण के प्रति भ्रान्तियों को दूर सकेगें।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

निम्नलिखित शोधार्थियों ने आधुनिकीकरण से सम्बन्धित कार्य किया है। जिसमें निम्नलिखित प्रमुख हैं – डेमिल (1966), इकलैस (1969), गोरे (1970), शर्मा, एस॰ सी॰ (1974), जिन्दल (1984), गुप्ता एन. (2014), कुमार जे. (2016)

समस्या कथन

"मुरादाबाद मण्डल के अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियो की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन"

परिभाषिकरण

आधुनिकीकरण – यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा आधुनिक सामाजिक मूल्यों तथा संरचनाओं को प्रसारित करने का प्रयास किया जाता है। आधुनिकीकरण का अर्थ है – उद्योगीकरण एवं स्वचालन। ब्लैक वेल्लाह के अनुसार – आधुनिकीकरण का अर्थ किसी सामाजिक पद्धति में अपने भीतर एवं बाहर से सूचनायें एकत्र करने और उनके प्रति उचित रूप से प्रतिक्रिया करने की क्षमता में वृद्धि है।

अनुदानित विद्यालय – अनुदानित विद्यालयों से आशय उन विद्यालयों से है जो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त व संचालित होते है। इन विद्यालयों के शिक्षकों को वेतन आयोग द्वारा निर्धारित पूर्ण वेतन व भत्ते प्राप्त होते हैं।

गैर अनुदानित विद्यालय – गैर अनुदानित विद्यालयों से आशय उन विद्यालयों से है जो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त तो होते है परन्तु यह निजी प्रबन्धन द्वारा संचालित होते हैं। इन विद्यालयों के शिक्षकों को वेतन आयोग द्वारा निर्धारित पूर्ण वेतन कागजों में प्राप्त होते है।

अभिवृत्ति – अभिवृत्ति मनुष्य की एक ऐसी स्थिति है जिसके माध्यम से उसके कुछ करने सोच समझने विशिष्ट कार्य करके, उसके मत और उनके विचारों का ज्ञान होता है।

शोध के उद्देश्य

1. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् पुरूष विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

2. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् महिला विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।
3. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् कला वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।
4. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध की परिकल्पनाएं

1. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् पुरूष विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् महिला विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. कला वर्ग के मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

न्यादर्श

वर्तमान शोधपत्र हेतु अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले 200 विद्यार्थियों को शामिल कर उनकों लिंग एवं वर्ग में वर्गीकृत किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोधपत्र हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जायेगा।

उपकरण

प्रस्तुत शोधपत्र हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

तालिका–1

मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् पुरूष विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
पुरूष विद्यार्थी (अनुदानित)	100	45ण्58	11ण्28	5ण्59
पुरूष विद्यार्थी (गैर अनुदानित)	100	53ण्70	11ण्14	

तालिका संख्या 2 के द्वारा मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् पुरूष विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति को दर्शाया गया है जिसमें अनुदानित विद्यालयों के पुरूष विद्यार्थी का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 45.58 (11.28) प्राप्त हुआ है जबकि गैर अनुदानित विद्यालयों में अध्यापन करने वाले पुरूष विद्यार्थियों का मध्यमान एवं मानक विचलन 53.70 (11.14) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 5. 59 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य आधुनिकीकरण के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 1 अस्वीकृत हुई।

तालिका–2

मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् महिला विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
महिला विद्यार्थी (अनुदानित)	100	23ण्22	7ण्91	2ण्59
महिला विद्यार्थी (गैर अनुदानित)	100	18ण्70	8ण्83	

तालिका संख्या 3 के द्वारा मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत महिला विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति को दर्शाया गया है जिसमें अनुदानित विद्यालयों के महिला विद्यार्थी का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 23.22

(7.91) प्राप्त हुआ है जबकि गैर अनुदानित विद्यालयों में अध्यापन करने वाले महिला विद्यार्थी का मध्यमान एवं मानक विचलन 18.70 (8.83) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 2.59 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य आधुनिकीकरण के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 2 अस्वीकृत हुई।

तालिका–3

मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् कला वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
कला वर्ग के विद्यार्थी (अनुदानित)	100	48ण्58	11ण्28	5ण्59
कला वर्ग के विद्यार्थी (गैर अनुदानित)	100	57ण्70	11ण्14	

तालिका संख्या 4 के द्वारा मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले कला वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति को दर्शाया गया है जिसमें अनुदानित विद्यालयों के कला वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 48.58 (11.28) प्राप्त हुआ है जबकि गैर अनुदानित विद्यालयों में अध्यापन करने वाले कला वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान एवं मानक विचलन 57.70 (11.14) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 5.59 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य आधुनिकीकरण के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 3 अस्वीकृत हुई।

तालिका–4

मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी (अनुदानित)	100	28ण्90	11ण्41	2ण्40
विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी (गैर अनुदानित)	100	31ण्28	12ण्78	

तालिका संख्या 4 के द्वारा मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति को दर्शाया गया है जिसमें अनुदानित विद्यालयों के विज्ञान वर्ग के शिक्षकों का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 28.90 (11.44) प्राप्त हुआ है जबकि गैर अनुदानित विद्यालयों में अध्यापन करने वाले विज्ञान वर्ग के शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन 31.28 (12.78) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 2.40 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य आधुनिकीकरण के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 4 अस्वीकृत हुई।

निष्कर्ष

1. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् पुरूष विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।
2. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् महिला विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।
3. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् कला वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।
4. मुरादाबाद मण्डल में अनुदानित और गैर अनुदानित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

आइन्टेट एस॰, एन॰ : 'मॉर्डनाइजेशन, प्रोटेस्ट एण्ड चेन्ज, न्यू जर्सी : पब्लिस्ड वाई प्रिन्टिस हॉल पब्लिकेसन्स।

भटनागर, आर॰ पी॰ : ''शिक्षा अनुसंधान विधि एवं विश्लेषण' लायक बुक डिपो, मेरठ, 1988

अस्थाना, विपिन : मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन व मूल्यांकन, आगरा–2, विनोद पुस्तक मन्दिर, 1999–2000।

आनन्द : ''एन अटेस्ट टू फाउण्ड आउट इफ मॉर्डन सोशल चेन्ज अफेक्टड द वेल्यू सिस्टम वॉमेन एजूकेशन', ए रिसर्च एप्रोच मुलीबल हसन सिद्धीकी, आशीष पब्लिसिंग हाउस, न्यू दिल्ली (1973)

एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ : ''फिफथ सर्वे ऑफ एजूकेशन रिसर्च'' वाल्यूम–2 नई दिल्ली, एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰, 2000।

गुप्ता, एस॰ पी॰ एवं गुप्ता अलका : 'आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, पी॰ एण्ड डी॰, इलाहाबाद।

गुप्ता, बी॰ पी॰ : ''सकैण्ड्री स्कूल के अध्यापकों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।'' प्रोग्रेस ऑफ एजुकेशन (1997)

साहू आर॰ : ''हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।'' एम॰ फिल॰ इेजर्टेशन, हिमाचल विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश (1969)

वाजपेयी डी॰ के॰ : मॉडनाइजेशन एण्ड सोशल चेन्ज इन इण्डिया रमेश जैन मनोहर पलिब्लकेशन्स, नई दिल्ली (1979)